IMPACT STORIES FORMAT

Story Title	थावरचंद मीणाएक परिवर्तनकारी यात्रा :
Date	03/10/2024
Prepared by	आशा चौहान
Name of partner Organization	गायत्री सेवा संस्थान
Name of Daksha/Daksh	संगीता मीणा
Name of SKB centre	मंगरा फला
Cluster	अग्गड़
Block	लसाड़िया
District	सलुम्बर, राजस्थान

BACKGROUND/CONTEXT:

संगीता मीणा सखियों की बाड़ी कार्यक्रम में जुड़ने से पहले एक गृहणी थीं। उनका दिन खाना बनाना, झाड़ूपोछा-, जंगल से लकड़ियां लाना और अन्य घरेलू कार्यों में व्यतीत होता था। संगीता जी की उम्र 29 वर्ष थी, और उन्होंने बीए तक शिक्षा प्राप्त की थी। उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में उन बच्चों को सहयोग देने की इच्छा थी, जो शिक्षा से वंचित थे, लेकिन किसी के सहयोग के बिना यह कार्य संभव नहीं था। वर्ष 2018 में, संगीता जी को पता चला कि सखियों की बाड़ी कार्यक्रम उनके ब्लॉक में चल रहा था, जो की शिक्षा से वंचित बच्चों के लिए था, उनके मन में एक उम्मीद जागी और उन्होंने ब्लॉक हेड से संपर्क किया और साक्षात्कार देकर चयनित हुईं।

CHALLENGES FACED:

मंगरा फला पहाड़ और जंगल के बीच स्थित है, जहाँ शिक्षा का स्तर बिल्कुल भी नहीं था। यहां के लोग खेती और बकरी पालन पर निर्भर थे। क्षेत्र में बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव था, और पेयजल की व्यवस्था भी कुएं से होती थी। जब सखियों की बाड़ी केंद्र की स्थापना के लिए सर्वे किया गया, तो पता चला कि इस इलाके में शिक्षा को लेकर जागरूकता की कमी थी। यह चुनौतीपूर्ण क्षेत्र होने के कारण केंद्र चलाना कठिन था, और मौसम तथा रास्ते की समस्याएं भी थीं।

INTERVENTION/ACTIVITIES:

संगीता जी ने इस चुनौती को स्वीकार किया और बच्चों को पढ़ाने का कार्य संभाला। उन्हें रोजाना 2 किलोमीटर चलकर जाना पड़ता था, जिसमें कभीकभी तेज- बारिश, सर्दी और गर्मी का सामना करना पड़ता था। लेकिन उन्होंने अपनी जिम्मेदारी निभाई और बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए हरसंभव प्रयास किया। गांव के बच्चों को पढ़ाई के प्रति प्रेरित करने के लिए संगीता जी ने विभिन्न शिक्षण तकनीकों का उपयोग किया। उन्होंने बालगीत, कविताएँ, खेलका प्रयोग किया (टीचिंग लर्निंग मटेरियल्स) खेल में पढ़ाई और टीएलएम-, जिससे बच्चों में शिक्षा की रुचि बढ़ी। धीरेधीरे समुदाय के लोग भी संगीता जी की सहायता करने लगे-, और यह केंद्र नियमित रूप से चलने लगा।

OUTCOMES:

संगीता जी के समर्पण और कठिन परिश्रम के परिणामस्वरूप अब बच्चों का शैक्षिक स्तर काफी बेहतर हो गया है। केंद्र की उपस्थिति बढ़ी है, और समुदाय के लोग भी इस बदलाव से प्रसन्न हैं। संगीता जी का संघर्ष और सफलता यह दर्शाता है कि कैसे कड़ी मेहनत और समर्पण से दुर्गम स्थानों में भी शिक्षा का दीप जलाया जा सकता है।

GOOD QUALITY IMAGE: - 3-4 IMAGES (Attach below)